







मोहन भागवत-मुंगेरालाल के हसीन सपने

डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन
आज प्रभाती में समाचार पत्र के माध्यम से यह शुभ
जानकारी मिली की भारत फिर से अखंड भारत बनेगा...

रमेश सरांग धर्मोरा

राजस्थान में 2023 के आखिरी
महिने में विधानसभा चुनाव होने है।
जिसके लिए सभी राजनीतिक दल अभी
से अपनी तैयारियों में जुट गए हैं।

कर रहे हैं। वहीं केंद्र में जल शक्ति
मंत्रालय में कैबिनेट मंत्री गजेंद्र सिंह
शेखवत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के
राजकीय लोगों में शुमार होते हैं।



या मगर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में पार्टी
में उनको कोई भूमिका नहीं रखी गई।
ऐसे में वसुंधरा राजे मात्र दिखाने वाली
उपाध्यक्ष बन कर रह गईं।

आपसी गुटबाजी में फंसी भाजपा

हैं। जिसके माध्यम से समय-समय पर
वसुंधरा राजे को प्रदेश नेतृत्व सौंपने की
मांग की जाती रही जा रही है।
प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डा. सतीश
पुनिया प्रार्थन से ही संघ से जुड़े रहे हैं।
अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, भाजपा
युवा मोर्चा व प्रदेश भाजपा संगठन के
निर्दिष्ट पदों पर काम करने के बाद प्रवेश
अवश्य बनाए गए हैं।

सिद्धार्थ शंकर
भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने मानसून
2022 को लेकर बड़ी जानकारी दी है।
यह जानकारी आम लोगों से लेकर किसानों तक
के लिए राहत की खबर है।

उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों में सामान्य
या सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना
है। मानसून के साथ-साथ बारिश पर ला नीना
का असर भी दिखेगा।

बेहतर मानसून

हालत में कई बार खासा फर्क देखने को
मिलता है। इससे सबसे ज्यादा निराशा किसानों
को होती है जो अर्थव्यवस्था को असर
लगाए रहता है।

बाजरा और मलहपुरी पहलू होता है। महंगाई
का प्राक किधर जाएगा, यह भी काफी
हद तक मानसून पर निर्भर करता है।
मौसम विभाग की भविष्यवाणी सुचब संकेत है।

बाजरा और मलहपुरी पहलू होता है। महंगाई
का प्राक किधर जाएगा, यह भी काफी
हद तक मानसून पर निर्भर करता है।
मौसम विभाग की भविष्यवाणी सुचब संकेत है।

योगी सिर्फ बुलडोजर शास्त्री नहीं ...चाणक्य से अर्थ शास्त्री भी हैं

Table with 3 columns: 3, 6, 9; 5, 8, 1; 2, 4, 7; 1, 2, 3; 6, 4, 5; 8, 2, 1; 9, 8, 7

डॉ विद्याम चौहान
लगभग 2350 वर्ष पूर्व आचार्य
कौटिल्य जिन्हें चाणक्य भी कहा जाता है,
उन्होंने गांधार, जयपुर के तक्षशिला
नामक नगर में तिस्रह तक्षशिला
विश्वविद्यालय को विद्या के क्षेत्र में
सर्वाधिक प्रसिद्ध एवं ज्ञान का मुख्य केंद्र
था...

डॉ. वेदप्रताप वैदिक
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के
संपन्नों का आर्वावर्त खड़ा
करना चाहिए। इस आर्वावर्त
की सीमाएं आरकान (प्यामा)
से खुरसान (ईरान) और
निबिथु (तिब्बत) से मालदीव
तक होनी चाहिए।









